झाँसी जागरण

बुन्देलखण्ड में सुधार की उम्मीद

- राष्ट्रीय जल मिशन के तहत जन सहभागिता से किया जाएगा जल प्रबन्धन

झाँसी : पत्रकारों से वार्ता करते राष्ट्रीय जल मिशन के अधिकारी।

झाँसी : पानी के लिए त्राहिमाम करने वाले बुन्देलखण्ड को सूखे के कलंक से छुटकारा मिल सकता है। राष्ट्रीय जल संसाधन मन्त्रालय ने इसकी उम्मीद जताई है। दावा है कि देश के 8 अतिदोहित क्षेत्रों में शामिल बुन्देलखण्ड में सुधार की गुंजाइश अधिक है। यहाँ विश्व बैंक, प्रशासन, एनजीओ जल प्रबन्धन पर कार्य कर रही है, जिसका असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने जन सहभागिता से बारिश के जल का प्रबन्धन करने की बात कही।

जल संसाधन मन्त्रालय के निदेशक (इन्फॉर्मेशन एजूकेशन ऑफ कम्युनिकेशन) गिरिराज गोयल, संयुक्त सचिव व एडवाइज़र राष्ट्रीय जल मिशन डॉ. सीवी धर्माराव व परामर्शदाता डॉ. हरिनारायण तिवारी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि देश के 1050 ब्लॉक में जल संकट काफी अधिक है। यह ब्लॉक अतिदोहित की श्रेणी में आ गए हैं। इसमें लगभग 32 ब्लॉक बुन्देलखण्ड के शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन ब्लॉक को संकट से उबारने के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जल मिशन चलाया जा रहा है। इसके तहत जनसहभागिता से लोगों को जल प्रबन्धन के लिए जागरूक किया जाएगा। मिशन के तहत बुन्देलखण्ड के अलावा विशाखापट्टनम, बैंगलोर, कोयम्बटूर, जोधपुर, चण्डीगढ़ व बड़ौदरा में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन सभी क्षेत्रों में से बुन्देलखण्ड में सुधार की उम्मीद सबसे अधिक है, क्योंकि यहाँ पहले से प्रयास चल रहे हैं।

कार्यशाला आज, जल प्रबन्धन पर होगा मन्थन

संयुक्त सचिव, डॉ. सीवी धर्माराव ने बताया कि जल संकट से ग्रसित देश के 8 जनपदों में 'इम्प्रूव ग्राउण्ड वॉटर मैनिजमेण्ट' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरूआत झाँसी से होगी। कार्यशाला में झाँसी के अलावा महोबा, हमीरपुर, ललितपुर व जालौन के ज़िलाधिकारी व झाँसी के सभी ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख व बीडीओ शामिल होंगे। 30 नवम्बर को पैरामेडिकल कॉलिज में कार्यशाला का आयोजन होगा।

Wa
आग
झाँसी :
कारण 2
कराया
रायकवा